महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष - 2 अंक - 7 फरवरी, 2024

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in
mguniversitygkp@mgug.ac.in
www.mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

सम्पादक मण्डल

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

डॉ. विकाश कुमार यादव

सहायक आचार्य

कृषि संकाय

श्री धनंजय पाण्डेय

शिक्षक

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/24/101	अष्टवक्र इकाई	,,
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	सुश्री शिवांगिनी दूबे
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कुंवर अभिनव सिंह राठौर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसूइया इकाई	सुश्री ऐमन खान
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता सहानी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रेयी इकाई	सुश्री प्रिया सिंह

NCC
एकता और अनुशासन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

102 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

E-mail : ncc@mgug.ac.in

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस. एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।
- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण एवं सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक दृष्टि में...

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का इतिहास

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(a) सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बडे सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के कार्यालय के उदघाटन करते हुए माननीय कुलपति महोदय एवं माननीय कुलपति महोदय को पुष्पगुच्छ भेंट करते डॉ. संदीप श्रीवास्तव

दिनांकः **03 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर के रैंक सेरिमनी और कार्यालय के उदघाटन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने कहा की एनसीसी सैन्य अनुशासन और साहसिक प्रशिक्षण की प्रेरणा देता है। एनसीसी प्रशिक्षण न केवल आपको जीवन में एक अधिक अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाता है बल्कि आपके व्यक्तित्व, चरित्र एवं गुण का भी विकास करता है। इसमें शारीरिक, शस्त्र क्षेत्र एवं युद्ध कला आत्मरक्षा तथा साहसिक प्रशिक्षण के साथ कैडेट्स को जीवन के किसी भी परिस्थिति और चुनौतियों का सामना करने का संकल्प भी देता है।

मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। कैडेट्स एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर के सभी कैडेट्स, सेवा अधिकारियों को बधाई जो निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

रैंक सेरिमनी से पूर्व एनसीसी कैडेटों ने कुलपति जी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। दीप प्रज्ज्वलन और पीपल का वृक्ष लगाकर कैडेटों को प्रकृति संरक्षण और राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित किया। राष्ट्रीय कैडेट कोर के ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। शिक्षा के साथ सैन्य अनुशासन का अभ्यास देश की रक्षार्थ प्रेरणा देता है।

रैंक सेरिमनी में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई और एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कैडेट्स को रैंक पहनाकर एनसीसी सेवा के लिए संकल्पित किया। रैंक में सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर ऑफिसर मोती लाल, अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, आदित्य विश्वकर्मा, कार्पोरल अभिषेक चौरसिया, लांस कार्पोरल हरेश्व साहनी और पूजा सिंह को रैंक प्रदान किया गया।

रैंक सेरिमनी के सभी कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बधाई और शुभकामना दिया। कार्यालय उद्घाटन में कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी ने शंख बजा कर उत्साहित किया। मंच संचालन कैडेट्स आंचल पाठक ने किया। परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट सागर जायसवाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, आदित्य विश्वकर्मा, मोतीलाल, कृष्णा त्रिपाठी, अनुभव, आशुतोष सिंह, भानु प्रताप सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, पूजा सिंह, शालिनी चौहान, प्रीति शर्मा, दरख्शा बानो, शालनी चौहान, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमित चौधरी आदि परेड में सम्मिलित हुए। आयोजन में प्रमुख रूप से कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. शांति भूषण, डॉ. कुलदीप सिंह, धनंजय पांड, डॉ. अमित दुबे सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित रहें।

श्री राम प्राण–प्रतिष्ठा एवं श्रीराम, माता सीता एवं श्री लक्ष्मण वनगमन का दृश्य

दिनांकः **09 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के दो दिवसीय श्री राम प्राण–प्रतिष्ठा, वेश भूषा प्रतियोगिता में प्रभु श्री राम के जीवन दिव्यता को विद्यार्थियों ने सजीव प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया।

भारत अंतरिक्ष सप्ताह द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम दिन श्री राम प्रसंग वेश भूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्री राम की प्राण–प्रतिष्ठा में भक्तो का भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, श्री हनुमान जी द्वारा संजीवनी पर्वत और श्री राम महान ज्ञानी रावण के गुणों का सम्मान करते हुए प्रसंग चरितार्थ किया।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. जी ने कहा कि प्रभु राम जी का जीवन प्रसंग जीवन कर्म क्षेत्र है। पिता का पुत्र से पितृत्व भाव, मातृत्व वात्सल्य, भाईयो के प्रति स्नेह, शत्रु और मित्र के प्रति संबंधों त्याग, तपस्या और समर्पण का अद्भुत संगम चरितार्थ होता है। सम्पूर्ण रामायण के एक–एक पात्र और प्रसंग आत्म विश्वास और सम्मान के प्रति मूर्ति है।

आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यव्यक डॉ. अखिलेश दूबे ने कहा कि श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला के वेशभूषा प्रतियोगिता विषय पर संजीव प्रसंग कर छात्र–छात्राएं आयोजन को मूर्त रूप को साकार कर रहे है। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यात्मिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है ।

संयोजक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण–प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष का उल्लास है। जिसमें भारत अंतरिक्ष सप्ताह के तहत श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थी प्रभु श्री राम जी के जीवन प्रसंगों को वेश भूषा से सजीव चित्रण कर सभी में भक्ति का रस में डूबो दिया है। प्रभु श्री राम के जीवन को स्वयं में उतार कर हर प्रसंग से प्रेरणा ग्रहण करने की शिक्षा मिलती है। प्रभु श्री राम के प्रति जन मानस के आस्था को प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से आयोजित विविध प्रतियोगिताओं पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दिया।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंह, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्री राम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया।

प्रतियोगिता को पूर्ण कराने में आयुर्वेद कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. शांति भूषण हंदूर, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. सर्वभौम, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. रश्मी पुष्पन्न, डॉ. मिनी के. वी., डॉ. देवी नय्यर ने सहयोग किया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स उपस्थित रहें।

श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत ड्राइंग और पेटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी एवं उनके द्वारा बनाई गई पेटिंग

दिनांकः **10 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा श्रीराम प्राण–प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को होने के उपलक्ष्य में श्री राम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता यूएन.जीजीआईएम शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारत अंतरिक्ष सप्ताह पर ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों ने श्रीराम प्राण–प्रतिष्ठा पूजन करते हुए माँ सीता द्वारा पौधे सींचते हुए श्रीराम धनुष तोड़ते हुए श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता द्वारा वन का भ्रमण करते हुए श्री हनुमान जी और अन्य वानर सेना द्वारा रामसेतु पुल बनाते हुए विषय पर अपनी पेंटिंग बनायीं। छात्र–छात्राओं को ड्राइंग और पेंटिंग किए जाने हेतु 100 मिनट (1घंटा 40) का समय दिया गया।

प्रतियोगिता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपू मनोहर एवं श्री धनन्जय पाण्डेय के निर्देशन में आयुर्वेद संकाय के कक्ष संख्या 20 में संम्पन्न कराया गया।

पुलवामा में वीरों शहीदों की याद में दीप प्रज्ज्वलन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

पुलवामा के शहीदों की याद में दीप प्रज्ज्वलित करती छात्राएं

दिनांकः **14 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने पुलवामा वीरों को समर्पण से दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दिया। आज ही के दिन 2019 को पाक उग्रवादियों द्वारा विस्फोट कर देश के 40 जवान आतंकवादियों के हमले से शहीद हुए थे। जिसकी निंदा सम्पूर्ण भारत में किया गया। ब्लैक डे के रूप में घोषित आज के दिन राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने वीर जवानों के नाम दीप जलाकर समपर्ण भाव अर्पण किया।

एनसीसी के अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की पुलवामा के वीर जवान सैन्य सेवा के स्वर्ण पन्नो पर सदैव अंकित हो गए। उनका सैन्य जीवन, सेवा कर्तव्य निष्ठा समर्पण युवाओं के लिए सदैव प्रेरणा दायक है।

पुलवामा में शहीद हुए वीर शहीदो में रोहितास लांबा, रतन कुमार ठाकुर, मोहन लाल जी, संजय राजपूत, नारायण लाल गुर्जर, संजय कुमार सिन्हा, भागीरथ सिंह, पी.के. साहू, बबलू संतारा, गुरू एच, जीत राम, कुलविंदर सिंह, सी शिवचंद्रन, मनेश्वर सुमातारी, सुदीप बिस्वास, सुब्रमण्यम जी, संता कुमार वीवी, मनोज कुमार बेहरा, विजय सोरेंग, सुखजिंदर सिंह, नसीर अहमद, हेमराज मीणा, नितिन एशिवाजी राठौड़, मनिंदर सिंह अत्री, जयमाल सिंह, विजय कुमार मौर्या, महेश कुमार, कौशल कुमार रावत, अश्वनी कुमार काओची, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, वीरेंद्र सिंह, राम वकील, अवधेश कुमार यादव, रमेश यादव, श्याम बाबू, प्रदीप सिंह, अजीत कुमार आजाद, तिलकराज, शहीद पंकज कुमार त्रिपाठी के नाम दिया जलाकर समपर्ण भाव नमन किया। कैडेट्स ने भारत माता की जय और वंदेमातरम् के उद्घोष से शहीदों को याद किया।

कैडेट्स में प्रमुख रूप से अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, पूजा सिंह, गौरी कुशवाहा, हर्षव साहनी, अस्मिता सिंह, अमृता कन्नौजिया सभी कैडेट्स ने दीया जलाकर शहीदों को नमन किया।

मतदाता शपथ ग्रहण

राष्ट्रीय कैडेट कोर

द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान में मतदाता शपथ ग्रहण करते हुए प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण

दिनांकः **23 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में द्वि साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान में मतदाता शपथ ग्रहण कराकर विद्यार्थियों को लोकतंत्र में वोट की शक्ति के प्रति संकल्पित किया गया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय से निर्देशित द्वि साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान (चुनाव का पर्व) की शुरुआत मतदाता शपथ से किया गया। प्रार्थना सभा में नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने युवा मतदाताओं को मतदान शपथ 'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है की हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओ की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अछूण्य बनाए रखते हुए, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा, अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे' शपथ ग्रहण कराया।

युवा मतदाताओं को लोकतंत्र के शक्ति के प्रति जागरूक करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अखंड भारत के नवनिर्माण में सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों और विश्वस्तरीय गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने लोकतंत्र के महायज्ञ में युवा मतदाताओं को निरंतर नूतन नवाचारों से वोट की शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मतदाता जागरुकता अभियान के प्रथम चरण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शत्–प्रतिशत मतदाता

पंजीकरण कराने में सफल रहा है। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। विश्वविद्यालय में पहली बार मतदाता बने युवा मतदाता लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए उत्सुक है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव और धनंजय पाण्डेय ने कहा की लोकतंत्र के निर्माण में एक–एक वोट महत्वपूर्ण होता है, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण अभियान के शत–प्रतिशत मतदाता के रिकॉर्ड को पूरा किया है। विश्वविद्यालय में युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मतदान के लिए पात्र नागरिकों को अनिवार्य रूप से मतदाता बनाना है ताकि वे अच्छी पढ़ाई के साथ–साथ मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में अपना योगदान दे सकें। एक नागरिक और मतदाता के तौर पर सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। शपथ ग्रहण से पूर्व राष्ट्रीय कैडेट कोर की अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह ने लोकतंत्र में वोट की शक्ति पर सभी को जागरूक किया।

द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के मतदाता शपथ ग्रहण मे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती उप कुलसचिव श्रीकांत जी ने सभी को अपनी शुभकामनाए दिया।

शपथ ग्रहण मे प्रमुख रूप से अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. शांति भूषण हंदूर, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम., साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. सर्वभूमे, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. रश्मी पुष्पन्न, डॉ. मिनी के वी, डॉ. देवी नय्यर, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव, निर्वाचक योद्धा शिवम पाण्डेय, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी, निलेश कुमार यादव सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

द्वि-साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

सेल्फी प्वाइंट के लोकापर्ण के दौरान माननीय कुलपति व अन्य

दिनांकः **27 फरवरी, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में द्वि–साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान में Vote for Sure सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने सेल्फी लेकर किया।

सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण कर युवा मतदाताओं को जागरूक करते हुए कुलपति जी ने कहा की लोकतंत्र में वोट की शक्ति मतदाता का शत–प्रतिशत अधिकार होता है। सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय से निर्देशित द्वि–साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान (चुनाव का पर्व) में सेल्फी पॉइंट के लोकार्पण में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अछूण्य बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने लोकतंत्र के महायज्ञ में युवा मतदाताओं को निरंतर नूतन नवाचारों से वोट की शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की भारत के नवनिर्माण में शसक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने कहा की विश्वविद्यालय में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए शिविर लगाकर शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण रिकॉर्ड को पूरा किया गया। विश्वविद्यालय में युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

द्वि–साप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के सेल्फी पॉइंट लोकार्पण मे अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती उप–कुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. शांति भूषण हंदूर, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. मिनी के. वी. डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, निर्वाचक योद्धा, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, सिद्धि सिन्हा, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, निकिता श्रीवास्तव, अंकिता तिवारी, निलेश कुमार यादव, मोतीलाल, अभिषेक सिंह, अंशिका सिंह, हर्ष, साहनी, अमित कुमार चौधरी, अशोक, ईवा, देवेज्य, सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

Dressed as Lord Ram, Sita, students take part in competition

Gorakhpur: The two-day Sri Ram Pran Pratishtha Veshbhusha (costume) competition, under Sri Ram Antriksh Vedhshala Utsav, began at Mahayogi Gorakhnath University on Friday. The participants brought to life various episodes from the life of Lord Ram through their costumes.

Various teams of the university depicted different aspects of the main theme of the competition- 'The Reverence of Lord Shri Ram's Life'.

Principal of Ayurveda College, Manjunath NS said that every episode of Lord Ram's life is inspiring. The event and National Service Scheme coordinator, Akhilesh Dubey, said that such events provide inspiration to students to imbibe educational perspectives and academic values in their lives.

The VC, Major General Atul Vajpayee, and registrar Pradeep Kumar Rao, extended their best wishes to all the students on the occasion of the event.

Utkarsh Singhal, Siddharth Mishra, Sarthak Gupta, Priyanshu Kumar, Tribhuvan Upadhyay, Sourav Tiwari, Priyanshi Gupta, Reshma Jayaswal, among others, portrayed various characters from the court of Lord Ram. The event received support from Shanti Bhushan, Prajna Singh, Sumit Kumar M, Sadhvi Nandan Pandey, Dr Navin Ke, Vinram Sharma, and others. TNN

गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

जिला संवाददाता (vo!)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित

निष्पक्ष प्रतिदिन। गोरखपुर,ब्यूरो

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है : अखिलेश दूबे

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजुनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्नम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

वॉयस ऑफ पूर्वांचल

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

वेषभूषा से रामायण के प्रसंगों को किया जीवंत

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के क्रम में दो दिवसीय श्रीराम प्राण-प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता हुई। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से जीवंत कर दिया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियों ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा में भक्तों के भाव विह्वल दृश्य, मां सीता द्वारा पौधारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अखिलेश दुबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यात्मिक संस्कारों की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। आयोजन की सफलता पर कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्र, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी आदि ने भूमिका निभाई।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगो को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियो ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तो के भाव विहवल दृश्य, मां सीता द्वारा वृक्षारोपण, हनुमान जी द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। आयोजन संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यामिक संस्कारो की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है। डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डॉ शांति भूषण, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ नवीन के, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ गोपी कृष्ण, डॉ रश्मि, डॉ मिनी केवी, डॉ देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

Dressed as Lord Ram, Sita, students take part in competition

Gorakhpur: The two-day Sri Ram Pran Pratishtha Veshbhusha (costume) competition, under Sri Ram Antriksh Vedhshala Utsav, began at Mahayogi Gorakhnath University on Friday. The participants brought to life various episodes from the life of Lord Ram through their costumes.

Various teams of the university depicted different aspects of the main theme of the competition- 'The Reverence of Lord Shri Ram's Life'.

Principal of Ayurveda College, Manjunath NS said that every episode of Lord Ram's life is inspiring. The event and National Service Scheme coordinator, Akhilesh Dubey, said that such events provide inspiration to students to imbibe educational perspectives and academic values in their lives.

The VC, Major General Atul Vajpayee, and registrar Pradeep Kumar Rao, extended their best wishes to all the students on the occasion of the event.

Utkarsh Singhal, Siddharth Mishra, Sarthak Gupta, Priyanshu Kumar, Tribhuvan Upadhyay, Sourav Tiwari, Priyanshi Gupta, Reshma Jayaswal, among others, portrayed various characters from the court of Lord Ram. The event received support from Shanti Bhushan, Prajna Singh, Sumit Kumar M, Sadhvi Nandan Pandey, Dr Navin Ke, Vinram Sharma, and others. TNN

महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रीराम वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत दो दिवसीय श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने प्रभु श्रीराम के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को वेशभूषा से सजीव किया।

आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न टोलियों ने प्रतियोगिता के मुख्य विषय श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में भक्तों के भाव विह्वल दृश्य, मां सीता द्वारा पौधरोपण, हनुमान द्वारा संजीवनी लाने और श्रीराम की तरफ से रावण के गुणों का सम्मान करने के प्रसंग को चरितार्थ किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने कहा कि प्रभु राम के जीवन का हर प्रसंग प्रेरणादायी है। संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अखिलेश दूबे ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थी जीवन में शैक्षिक दृष्टि के साथ आध्यात्मिक संस्कारों की शिक्षा आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती है।

डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा से संपूर्ण भारत में हर्ष छाया हुआ है। आयोजन पर कुलपति मेजर जनरल (ड) अतुल वाजपेयी और कुलसचिव ड प्रदीप कुमार राव ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के अंतर्गत आयोजित श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा वेशभूषा प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी।

प्रतियोगिता में उत्कर्ष सिंहल, सिद्धार्थ मिश्रा, सार्थक गुप्ता, प्रियांशु कुमार, त्रिभुवन उपाध्याय, सौरव तिवारी, प्रियांशी गुप्ता, रेशमा जायसवाल, रोशनी सिंह, आदित्य कुमार, देव प्रताप, अंजली यदुवंशी ने श्रीराम दरबार के विभिन्न पात्रों को जीवंत किया। आयोजन में डा. शांति भूषण, डा. प्रज्ञा सिंह, डा. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डा. नवीन के, डा. विनम्र शर्मा, डा. सर्वभूमे, डा. गोपी कृष्ण, डा. रश्मि, डा. मिनी केवी, डा. देवी नय्यर आदि का सहयोग रहा।

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
चतुर्थ तल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली – 110 001
फोन: 23353503 फैक्स: 23753923
याचिका सं. 344/टीएल/2023 दिनांक: 1.2.2024

निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र मजबूत करने का लिया संकल्प

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय,

गोरखपुर में द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने निष्पक्ष रूप से मतदान करने तथा वोट की शक्ति से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रार्थना सभा मे मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने मतदाता शपथ ग्रहण कराने के बाद कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। इस महत्व को समझते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से लगातार जागरुकता के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव और धनंजय पाण्डेय ने भी मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ.विमल दूबे, डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ. शांति भूषण हंदूर, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विक्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ. गोपी कृष्ण , डॉ रश्मी पुस्पन्न , डॉ. मिनी केवी, डॉ. देवी नय्यर, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अमित दूबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र मजबूत करने का लिया संकल्प

गोरखपुर,२३ फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने निष्पक्ष रूप से मतदान करने तथा वोट की शक्ति से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया।

प्रार्थना सभा मे मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने मतदाता शपथ ग्रहण कराने के बाद कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। इस महत्व को समझते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से लगातार जागरूकता के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.विकास यादव और धनंजय पाण्डेय ने भी मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ.राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ.विमल दूबे, डॉ.गोपी कृष्ण, डॉ रश्मी पुस्पन्न, डॉ.मिनी केवीए डॉ.देवी नय्यर, विकास यादव, डा.कुलदीप सिंह, डॉ.अमित दूबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है– ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2024-12; कार्य का नामः परसा स्टेशन पर गुड्स प्लेटफार्म सतह एवं विद्युत व्यवस्था के साथ एप्रोच रोड का सुधार कार्य। अनुमानित

निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र मजबूत करने का लिया संकल्प

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने निष्पक्ष रूप से मतदान करने तथा वोट की शक्ति से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया। प्रार्थना सभा मे मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने मतदाता शपथ ग्रहण कराने के बाद कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। इस महत्व को समझते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से लगातार जागरूकता के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव और धनंजय पाण्डेय ने भी मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ.विमल दूबे, डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ. शांति भूषण हंदूर, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विक्रम शर्मा, डॉ.सर्वभूमे, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ रश्मी पुस्पन्न, डॉ. मिनी केवी, डॉ. देवी नय्यर, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अमित दूबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मतदान कर लोकतंत्र मजबूत करने का संकल्प

जागरूकता

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम
- पंजीकृत 1761 नए मतदाता में से 1300 विद्यार्थी पहली बार वोटर बनें

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के अंतर्गत मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने निष्पक्ष रूप से मतदान करने तथा वोट की शक्ति से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया।

प्रार्थना सभा में मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने मतदाता शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कराने के बाद कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। इस महत्व को समझते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की तरफ से लगातार

शुक्रवार को गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदान की शपथ लेते छात्र।

जागरूकता के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव और धनंजय पाण्डेय ने भी मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रशासनिक डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत ने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. विमल दूबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. शांति भूषण हंदूर, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. सुमित कुमार एम, साध्वीनंदन पाण्डेय, डॉ. नवीन के, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सर्वभूमे, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ रश्मी पुस्पन्न, डॉ. मिनी केवी, डॉ. देवी नय्यर, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अमित दूबे उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय एवं छात्र शिवम पाण्डेय को मिला पुरस्कार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पांडेय और शिवम पांडेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंर्तगत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पांडेय और शिवम पांडेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

सड़क सुरक्षा में विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

गोरखपुर। परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया। महायोगी गोरखनाथ विवि को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंर्तगत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है।

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय एवं छात्र शिवम पाण्डेय को मिला पुरस्कार

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा

अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंर्तगत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पांडेय और शिवम पांडेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

लोकतंत्र के रक्षार्थ युवा मतदाताओं को लेना होगा संकल्प : डॉ. वाजपेयी

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वोट फॉर स्योर सेल्फी पॉइंट का हुआ लोकार्पण

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में द्विसाप्ताहिक मतदाता जागरुकता अभियान के तहत मंगलवार को वोट फॉर स्योर सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने सेल्फी लेकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सही मतदान कर हम सभीसशक्त सरकार के निर्माण में बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं।

लोकतंत्र के रक्षार्थ युवा मतदाताओं को निष्पक्ष मतदान का संकल्प लेना होगा। सेल्फी पॉइंट के लोकार्पण समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है। धर्म, वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश ?वविद्यालय शत प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजुनाथ एनएस, अधिष्ठाता डॉ.विमल दूबे, डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ विकास यादव, डॉ कुलदीप सिंह, डॉ शांति भूषण हंदूर, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ विक्रम शर्मा, डॉ मिनी केवी, डॉ विकास यादव समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के रक्षार्थ युवा मतदाताओं को लेना होगा संकल्प : डॉ. वाजपेयी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सेल्फी पॉइंट का हुआ लोकार्पण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में द्विमासिक मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को [illegible] सेल्फी पॉइंट का लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने सेल्फी लेकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सही मतदान कर हम सभी सशक्त सरकार के निर्माण में बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के रक्षार्थ युवा मतदाताओं को निष्पक्ष मतदान का संकल्प लेना होगा।

सेल्फी पॉइंट के लोकार्पण समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवम शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है। धर्म, वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने बताया कि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शत प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. राजेंद्र भारती, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता डॉ.विमल दूबे, डॉ.शशिकांत सिंह, डॉ विकास यादव, डॉ कुलदीप सिंह, डॉ शांति भूषण हंदूर, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ विक्रम शर्मा, डॉ मिनी केथी, डॉ विकास यादव समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

गोरखपुर (विधान केसरी)। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पांडेय और छात्र शिवम पांडेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पांडेय और शिवम पांडेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

State level honor to Mahayogi Gorakhnath University in road safety campaign

GORAKHPUR: Uttar Pradesh Transport Department has given state level award to Road Safety Club Nodal Officer of Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur, Dhananjay Pandey and student Shivam Pandey for their excellent performance in road safety campaign. He was honored by Public Works Minister Jitin Prasad and Minister of State for Transport (Independent Charge) Dayashankar Singh during a program organized in Lucknow on Tuesday. Congratulating Dhananjay Pandey and Shivam Pandey for this achievement, University Vice Chancellor Major General (Dr.) Atul Vajpayee and Registrar Dr. Pradeep Kumar Rao said that this is a moment of pride for the university. In the road safety campaign, the university has tried to contribute better to the society and national interest by discharging its responsibilities.

सड़क सुरक्षा अभियान में महायोगी गोरखनाथ विवि को राज्य स्तरीय सम्मान

गोरखपुर (एसएनबी)। सड़क सुरक्षा अभियान में बेहतर प्रदर्शन के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय और छात्र शिवम पाण्डेय को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें मंगलवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने सम्मानित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जनमानस को जागरूक करने के लिए प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के लिए धनंजय पाण्डेय और शिवम पाण्डेय को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी तथा कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की अनुभूति का क्षण है। सड़क सुरक्षा अभियान में विश्वविद्यालय ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र हित में बेहतर योगदान देने का प्रयास किया है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in